मॉडल प्रश्न-पत्र प्रारूप (उत्तर सहित)

Model Sample Question Paper with Answers

FINAL Examination

इण्टरमीडिएट–द्वितीय वर्ष (Class XII)

Set 3

भूगोल (Geography)

Time – 3 Hours *Full Marks – 70*

सामान्य निर्देश : परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।
दाहिने ओर हाशिये पर दिये हुए अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं।
सभी प्रश्नों के उत्तर दें।
प्रश्न संख्या 1 से 10 तक प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है।
प्रश्न संख्या 11 से 20 तक प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का हैं। परीक्षार्थी अपना उत्तर 30 शब्दों से अधिक में न दें।
प्रश्न संख्या 21 से 25 तक प्रत्येक प्रश्न 4 अकों का हैं। परीक्षार्थी अपना उत्तर 100 शब्दों से अधिक में न दें।
प्रश्न संख्या 26 से 29 तक प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है। परीक्षार्थी अपना उत्तर 200 शब्दों से अधिक में न दें।

बहुविकल्पीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न $1 \times 10 = 10$

1. 'ऑरिजिन आफ स्पीसीज' नामक पुस्तक निम्न में किसने लिखीं?
(a) ई. हंटिंगटन (b) चार्ल्स डार्विन
(c) रैटजेल (d) इनमें कोई नहीं। *उत्तर : (b)*

2. मानव विकास सूचकांक में भारत के निम्नलिखित राज्यों में से किसकी कोटि उच्चतम है? *अथवा,* भारत में साक्षरता-दर सबसे अधिक किस राज्य में हैं।
(a) तमिलनाडु (b) पंजाब (c) केरल (d) हरियाणा। *उत्तर : (c)*

3. मानव विकास की अवधारणा निम्नलिखित में से किस विद्वान की देन है?
(a) प्रो. अमर्त्य सेन (b) डॉ. महबूब उल हक
(c) एलन. सी. सेम्पुल (d) रैटजेल। *उत्तर : (b)*

4. मैंगनीज का प्रमुख उत्पादक राज्य कौन-सा हैं?
(a) कर्नाटक (b) उड़ीसा
(c) झारखण्ड (d) तमिलनाडु। *उत्तर : (b)*

Scanned with CamScanner

5. निम्नलिखित में से कौन-सा एक तृतीयक क्रियाकलाप है?

(a) खेती (b) बुनाई
(c) व्यापार (d) आखेट। **उत्तर : (c)**

6. पीट्सबर्ग किस खनिज के लिए प्रसिद्ध है?

(a) कोयला (b) लौह-इस्पात (c) तेल (d) तांबा। **उत्तर : (b)**

7. निम्नलिखित में कौन लौह अयस्क की किस्म नहीं है?

(a) मैग्नेटाइट (b) लेमेटाइट
(c) लिग्नाइट (d) साइडेराइट। **उत्तर : (c)**

8. अभ्रक उत्पादन में अग्रणी भारतीय राज्य कौन-सा हैं?

(a) झारखण्ड (b) छत्तीसगढ़ (c) मध्य प्रदेश (d) उड़ीसा। **उत्तर : (a)**

9. पेट्रोकेमिकल उद्योग में अग्रणी देश कौन है?

(a) जापान (b) संयुक्त राज्य अमेरिका
(c) चीन (d) भारत। **उत्तर : (b)**

10. किस क्षेत्र में खनिज तेल का सबसे बड़ा भण्डार पाया जाता है?

(a) ईरान (b) इराक (c) चीन (d) सउदी अरब। **उत्तर : (d)**

अति लघु-उत्तरीय प्रश्न $2 \times 10 = 20$

प्रश्न 11. मानव भूगोल को परिभाषित कीजिए। 2

उत्तर : मानव भूगोल मनुष्य और पर्यावरण के मध्य होने वाले अंतर्क्रियाओं का अध्ययन करता है। मानव भूगोल का क्षेत्र मानव की प्राथमिक आवश्यकताओं, आवश्यकताओं की पूर्ति, मानव के आर्थिक क्रियाकलाप, मानवीय कार्यकुशलता आदि पर पर्यावरण के भौतिक तत्त्वों के प्रभाव तक विस्तृत है। जीन ब्रुंस के अनुसार, "मनुष्य अपने सम्पूर्ण जीवन में भौगोलिक तथ्यों के साथ भागीदारी कर विभिन्न क्रियाओं में संलग्न रहता है। मनुष्य की इन समस्त गतिविधियों को मानव भूगोल के नाम से जाना जाता है।'

***अथवा,* जीन ब्रुंश द्वारा बताये गये मानव भूगोल के छः प्रकार के आवश्यक तथ्य कौन-से हैं?** 2

***अथवा,* मानव भूगोल की विषय-वस्तु का उल्लेख करें।**

उत्तर : (i) निवास (ii) परिवहन
(iii) कृषि (iv) पशुचारण
(v) वनस्पति व जीवों का विनाश (vi) खनिज पदार्थ।

प्रश्न 12. ट्रक कृषि (फलों एवं सब्जियों की खेती) तथा बागानी कृषि में अन्तर बताएँ।

उत्तर : ट्रक कृषि	बागानी कृषि (रोपण कृषि)
(i) दैनिक आवश्यकता की सामग्री जैसी–फल एवं साग–सब्जी का उत्पादन।	(i) उद्योगों के लिए कच्चे माल का उत्पादन जैसे रबर, जूट, चाय, कॉफी आदि।
(ii) उत्पादन छोटे स्तर पर।	(ii) उत्पादन व्यापारिक स्तर पर।
(iii) द्रुत परिवहन की व्यवस्था।	(iii) परिवहन की सामान्य व्यवस्था।
(iv) कम श्रम एवं पूँजी की आवश्यकता।	(iv) अधिक श्रम एवं पूँजी की आवश्यकता।

Scanned with CamScanner

अथवा, जीविकोपार्जी या निर्वाह कृषि किसे कहते हैं? 2

उत्तर : जिस कृषि से जीवन का केवल निर्वहन हो जाय या मात्र जीवन का भरण-पोषण हो जाय उसे निर्वाह कृषि कहते हैं। यह मानसूनी क्षेत्रों में या पिछड़े क्षेत्रों में होती है। इसके दो प्रकार हैं – आदिकालीन निर्वाह कृषि और गहन निर्वाह कृषि।

प्रश्न 13. मानव क्रियाकलापों के चार प्रमुख वर्गों को बताइए। 2

अथवा, संसार में मानव के प्रमुख क्रियाकलापों का वर्णन कीजिए।

उत्तर : मानव क्रियाकलाप के चार प्रमुख वर्ग निम्नलिखित हैं –

(i) प्राथमिक – आखेट, पशुचारण, खनन, कृषि, मत्स्य पालन आदि।

(ii) द्वितीयक – विनिर्माण उद्योग।

(iii) तृतीयक – संचार, परिवहन एवं अन्य सेवाएँ।

(iv) चतुर्थक – खोज, अनुसंधान आदि जैसे ज्ञान से संबंधित क्रियाएँ।

प्रश्न 14. विभिन्न प्रकार के कृषि का नाम बताइए। 2

उत्तर : कृषि के प्रकार –

(i) आत्मनिर्वाह कृषि (ii) झूम या स्थानांतरित कृषि

(iii) रोपण कृषि (iv) गहन कृषि

(v) शुष्क तथा आर्द्र कृषि।

प्रश्न 15. भारत की तीन कृषि ऋतुओं का नाम दें साथ ही उन ऋतुओं में उपजाई जानेवाली फसलों को लिखें। 2

उत्तर : **(i) रबी :** गेहूँ, चना, सरसों, मटर आदि।

(ii) खरीफ : चावल, कपास, मक्का, मूँगफली आदि।

(iii) जायद : सब्जियाँ, खीरा, तरबूज आदि।

अथवा, स्थानांतरी कृषि का भविष्य अच्छा नहीं है। विवेचन कीजिए। 2

उत्तर : स्थानांतरी कृषि में एक स्थान विशेष पर वनस्पतियों को जलाकर कृषि की जाती है। इससे उस स्थान की उर्वरता घटती है, पर्यावरण विनष्ट होता है और यह व्यापारिक स्तर तक नहीं पहुँच सकता है। बार-बार साफ करने के लिए हर बार नये क्षेत्र का मिलना ये सभी के लिए संभव नहीं है। इन्हीं कारणों से स्थानांतरी कृषि का भविष्य अच्छा नहीं है। बढ़ती जनसंख्या एवं भूमि के स्वामित्व की समस्याओं के कारण भी स्थानांतरी कृषि अब कठिन है।

प्रश्न 16. मानव विकास को परिभाषित करें। 2

उत्तर : मानव विकास, स्वस्थ भौतिक पर्यावरण से लेकर आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक स्वतन्त्रता तक सभी प्रकार के मानव विकल्पों को सम्मिलित करते हुए लोगों के विकल्पों में विस्तार और उनके शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं तथा सशक्तीकरण के अवसरों में वृद्धि की प्रक्रिया है।

अथवा, साक्षरता से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : साक्षरता का अर्थ है पढ़ने और लिखने की क्षमता का होना। साक्षर का शाब्दिक अर्थ है अक्षरों का ज्ञान होना। साक्षर व्यक्ति से अपेक्षा होती है कि वह उसकी भाषा में लिखी हुई सरल विषय-वस्तु को पढ़ कर समझे और लिखित रूप में अपनी बात को प्रस्तुत कर सके।

अथवा, कच्चे माल पर आधारित उद्योग के कोई दो उदाहरण दें।

उत्तर : (i) सूती वस्त्र उद्योग (ii) लौह एवं इस्पात उद्योग।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 17. सड़क परिवहन रेल परिवहन से बेहतर क्यों है? 2

उत्तर : (i) सड़क मार्ग निश्चित गंतव्य स्थान तक परिवहन को सुनिश्चित करता है जबकि रेल मार्ग से सिर्फ रेलवे स्टेशनों तक का ही परिवहन संभव है।

(ii) सड़क मार्ग एक लचीला माध्यम है। सड़क मार्ग के साधनों को कहीं भी रोका जा सकता है या दूसरे मार्ग पर लाया जा सकता है, लेकिन रेलों को सिर्फ स्टेशनों पर ही रोका जा सकता है।

(iii) खाद्य सामग्रियों का शीघ्रातीशीघ्र वितरण सड़क मार्ग से ज्यादा आसान होता है।

प्रश्न 18. गैर-परंपरागत उर्जा स्त्रोत क्या हैं? उदाहरण दें। 2

उत्तर : ऊर्जा के जीवाश्म संसाधन परम्परागत स्त्रोत माने जाते हैं। किन्तु विविध प्रणाली, प्रक्रिया एवं तकनीकों के द्वारा गैर जीवाश्म स्त्रोतों से ऊर्जा प्राप्त करने को ही अपारम्परिक ऊर्जा के स्त्रोत कहा जाता हैं। ऊर्जा के प्रमुख गैर-परंपरागत स्त्रोत –

(i) पवन ऊर्जा (ii) ज्वारीय ऊर्जा (iii) सौर ऊर्जा (iv) गोबर गैस (v) भू-तापीय ऊर्जा

प्रश्न 19. आयात व निर्यात में अन्तर बताइए। ये व्यापार संतुलन से कैसे संबंधित हैं? 2

उत्तर : विश्व के सभी देश किसी न किसी वस्तु या सेवा का आयात या निर्यात करते हैं। जब कोई वस्तु या सेवा देश से बाहर भेजी जाती है तब उसे निर्यात कहते हैं। निर्यात करने से देश को विदेशी मुद्रा प्राप्त होती है। यदि किसी देश का निर्यात उसके आयात से अधिक है तो इसे उस देश के पक्ष में अनुकूल व्यापार संतुलन कहा जाता है।

जब वस्तु या सेवा दूसरे देशों से मँगाई जाती है तब उसे हम आयात कहते हैं और एक देश दूसरे देश को अपनी मुद्रा देता है। जब आयात देश के निर्यात से अधिक होता है तो इसे असंतुलित अथवा विलोम व्यापार संतुलन कहते हैं।

प्रश्न 20. वैश्वीकरण (भूमण्डलीकरण) से क्या अभिप्राय है? 2

उत्तर : अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर एक एकीकृत अर्थव्यवस्था की स्थापना को वैश्वीकरण के नाम से जाना जाता है। यह पूँजी, वस्तुओं, सेवाओं, संसाधन, श्रमिक आदि के एक देश से दूसरे देश में निर्बाध परिगमन को सुनिश्चित करता है। वैश्वीकरण, घरेलू उत्पादों को अन्तर्राष्ट्रीय बाजार उपलब्ध कराता है।

चूँकि यह क्रिया प्राथमिक क्रियोओं जैसे कृषि या खनन से प्राप्त कच्चे माल पर द्वितीय स्तर पर की जाती है, अतः इन्हें द्वितीयक क्रियाकलाप कहा जाता है।

***अथवा,* स्वर्णिम चतुर्भुज से आप क्या समझते हैं?**

उत्तर : स्वर्णिम चतुर्भुज भारत के प्रमुख कृषि, उद्योग तथा सांस्कृतिक महत्त्व के स्थानों को जोड़ने वाला सड़क मार्ग का जाल है। चूँकि यह चेन्नई, दिल्ली, मुम्बई तथा कोलकाता को एक साथ जोड़ते हुए एक चतुर्भुज की रचना करता है अतः इसे स्वर्णिम चतुर्भुज के नाम से जाना जाता है। इसकी कुल लम्बाई 5,846 कि. मी. है। यह भारत में प्रथम तथा विश्व में पाँचवां सर्वाधिक लम्बाई वाला महामार्ग है।

लघु-उत्तरीय प्रश्न $4 \times 5 = 20$

प्रश्न 21. हमारे देश में सिंचाई के लिए जल की अत्यधिक माँग क्यों है? किन्हीं तीन कारणों का वर्णन कीजिए। 4

***अथवा,* भारत में सिंचाई की आवश्यकता क्यों है?**

उत्तर : निम्नलिखित कारणों से भारत में सिंचाई की अधिक आवश्यकता है –

(i) भारत एक कृषि प्रधान देश है। जीवन के लिए आवश्यक खाद्यान्न कृषि से प्राप्त होता है। कृषि उत्पादन में वृद्धि के लिए सिंचाई आवश्यक है।

Scanned with CamScanner

(ii) भारत में वर्षा का वितरण अत्यधिक असमान है। कोई क्षेत्र बाढ़ में डूबा होता है तो उसी समय कहीं सूखे का प्रकोप जारी रहता है। अतः सूखे क्षेत्र के विकास के लिए सिंचाई आवश्यक है।

(iii) वर्षा केवल चार महीने होती है। वर्षा जल का बड़ा भाग व्यर्थ नालियों में बरबाद हो जाता है। अतः शुष्क महीनों में सिंचाई की सहायता से कृषि कार्य को जारी रखा जा सकता है।

(iv) कहा जाता है कि भारतीय कृषि मानसून के साथ एक जुआ है। यह कथन काफी हद तक सही है। कभी मानसून समय से पहले आकर कृषि कार्य में बाधा पहुँचाता है तो कभी मानसून के इंतजार में फसलें सूख जाती हैं। कभी मानसून प्रबल होता है तथा कभी क्षीण।

(v) चावल, गन्ना, जूट आदि जैसी फसलों को जल की काफी मात्रा में आवश्यकता पड़ती है। अतः इसे पूरा करने के लिए सिंचाई का प्रयोग आवश्यक है।

प्रश्न 22. चाय के लिए चार अनुकूल भौतिक दशाओं का वर्णन कीजिए। संसार तथा भारत के प्रमुख चाय उत्पादक प्रदेशों के नाम भी बताइए। 4

उत्तर : चाय की खेती के लिए आवश्यक भौतिक दशाएँ :

(i) यह एक सदाबहार बागवानी फसल है।

(ii) इसके लिए गर्म तथा आर्द्र जलवायु की आवश्यकता होती है।

(iii) इसके लिए अधिक उपजाऊ जमीन की आवश्यकता होती है।

(iv) मिट्टी की उर्वरता को बनाये रखने के लिए नाइट्रोजनी खादों की आवश्यकता पड़ती है।

(v) तापमान – 25-30°C

(vi) वर्षा – 125-750 सेमी वर्षा।

(vii) चाय के पौधों की जड़ों में पानी जमना खतरनाक होता है, अतः चाय की खेती 27° दक्षिण से 43° उत्तर अक्षांशों के मध्य पहाड़ी ढलानों पर की जाती है।

(viii) यह एक श्रम प्रधान फसल है, क्योंकि चाय की पत्तियों को हाथों से तोड़ा जाता है।

(ix) विश्व में लगभग 26 लाख हेक्टेयर भू-भाग पर चाय की खेती होती है तथा इसका वार्षिक विश्व-उत्पादन 20 लाख टन है।

संसार के प्रमुख चाय उत्पादक देश : चीन, जापान, भारत, श्रीलंका, इंडोनेशिया, कीनिया तथा अर्जेन्टीना प्रमुख चाय उत्पादक राष्ट्र है।

भारत में चाय का उत्पादन एवं वितरण :

विश्व उत्पादन का 28 प्रतिशत चाय भारत में होती है। लगभग 4.35 करोड़ हेक्टेयर भूमि पर चाय की खेती होती है। 2000-01 ई. में चाय का वार्षिक उत्पादन 8 लाख टन रहा।

असम, चाय का प्रमुख उत्पादक राज्य है। यहाँ चाय उत्पादन की अनुकूल दशाएँ पायी जाती हैं। पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग, जलपाइगुड़ी तथा कूच विहार में भी चाय की खेती होती है। तमिलनाडु तथा केरल भी चाय उत्पादन में अग्रणी राज्य हैं। हिमाचल में शिवालिक पहाड़ियों में तथा उत्तरांचल की दून घाटियों में भी थोड़ी मात्रा में चाय उगायी जाती है।

***अथवा,* चावल की कृषि के लिए चार अनुकूल भौतिक/भौगोलिक दशाओं का वर्णन कीजिए। विश्व एवं भारत के प्रमुख चावल उत्पादक छेत्रों के नाम बताइए।**

***अथवा,* संसार में चावल के उत्पादन एवं वितरण का वर्णन करें।**

उत्तर : निम्नलिखित भौतिक दशाएँ चावल की खेती हेतु आवश्यक हैं–

(i) धान के पौधे को 27° से 30° सेल्सियस तक के तापक्रम वाले वातावरण की आवश्यकता रहती है।

Scanned with CamScanner

(ii) धान के पौधे को विकसित होने के लिए करीब 100 से.मी. वर्षा की आवश्यकता होती है। धान के खेत में करीब 10.25 से.मी. पानी भरा रहना चाहिए।

(iii) चिकनी एवं दोमट मिट्टी चावल की खेती हेतु उपयुक्त मानी जाती है। इस प्रकार की मिट्टी में पानी का ठहराव बना रहता है।

(iv) धान की खेती हेतु पौध तैयार करना, उखाड़ना, रोपना व पानी में डूबे खेतों तक पहुँचाने का कार्य मजदूरों की सहायता से ही कराया जाता है। अतः चावल की खेती ऐसे क्षेत्रों में की जाती है जहाँ सस्ती दरों पर मजदूर उपलब्ध रहते हैं।

विश्व में चावल की उपज के प्रमुख छेत्र :

(i) एशिया में भारत समेत दक्षिण व दक्षिण-पूर्व एशिया, चीन व जापान, श्रीलंका, इंडोनेशिया, कोरिया आदि।

(ii) दक्षिणी अमेरिका में ब्राजील तथा आमेजन नदी का मुहाना।

(iii) पश्चिमी यूरोप व कुछ मात्रा में दक्षिणी यूरोपीय देशों में भी चावल की खेती की जाती है।

(iv) पश्चिमी अफ्रीका तथा अमेरिका में मिसिसिपी नदी के मुहाने के क्षेत्र में चावल उगाया जाता है।

भारत में चावल की उपज के प्रमुख छेत्र : भारत में चावल उत्पादन के प्रमुख क्षेत्र हैं – (i) उत्तर पूर्वी पहाड़ी क्षेत्र (ii) गंगा के मैदान और इसका डेल्टा प्रदेश. (iii) पूर्वी तटीय मैदान. (iv) पूर्वी प्रायद्वीपीय पठार. (v) पश्चिमी तटीय मैदान।

भारत में चावल उत्पादन में संलग्न प्रमुख राज्य हैं -

(i) हरियाणा (ii) पंजाब (iii) उत्तरांचल (iv) आंध्रप्रदेश
(v) तमिलनाडु (vi) पश्चिम बंगाल

प्रश्न 23. परिवहन से क्या तात्पर्य है? इसे किसी देश की जीवन रेखा क्यों कहा जाता है? *अथवा,* परिवहन का महत्त्व स्पष्ट कीजिए। 4

उत्तर : वह प्रक्रिया जिसके द्वारा यात्रियों व वस्तुओं को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाया जाता है, परिवहन कहलाता है। परिवहन किसी देश के आर्थिक विकास, राजनीतिक एकीकरण, सामाजिक गतिशीलता के लिए अत्यन्त आवश्यक है। अतः इसे एक देश की जीवन रेखा भी कहा जाता है।

परिवहन का महत्त्व : (i) विशाल जनसंख्या के भरण-पोषण हेतु खाद्यान्नों के आयात में परिवहन मुख्य भूमिका निभाती है।

(ii) यह देश के राजनीतिक व सांस्कृतिक एकीकरण में सहायक है।

(iii) देश के औद्योगिक विकास के लिए भारी मशीनों तथा उर्वरकों के आयात में परिवहन महत्त्वपूर्ण ढंग से सहायक होता है।

प्रश्न 24. चलवासी तथा व्यापारिक पशुपालन में अंतर बताइए। 4

उत्तर :	**चलवासी पशुचारण**		**व्यापारिक पशुपालन**
(i)	यह सभ्यता की प्रारंभिक अवस्था थी।	(i)	यह सभ्यता का अपेक्षाकृत विकसित रूप है।
(ii)	पारिवारिक निर्वाह, इसका मुख्य उद्देश्य था।	(ii)	इसका उद्देश्य भारी पैमाने पर पशु-उत्पाद प्राप्त करना है।
(iii)	इसका स्थान ऋतु परिवर्तन के साथ बदलता रहता था।	(iii)	इसका स्थान ऋतु में परिवर्तन के साथ नहीं बदलता है।

Scanned with CamScanner

(iv) परंपरागत विधि द्वारा पशुपालन पर बल दिया गया।
(v) प्राकृतिक चारागाहों पर निर्भरता
(iv) आधुनिक एवं वैज्ञानिक पद्धति पर बल दिया गया।
(vi) मानव निर्मित चारा क्षेत्र का अस्तित्व।

अथवा, भारत में कितनी फसल ऋतुएँ हैं? फसल ऋतुओं की अवधि बतायें। विभिन्न ऋतुओं में सामान्यतः कौन-कौन सी फसलें उगायी जाती हैं।

उत्तर : भारत में तीन फसल ऋतुएँ हैं –

(i) खरीफ (ii) रबी (iii) जायद या भदई।

(i) खरीफ ऋतु मानसून के आगमन से प्रारम्भ होकर शीत ऋतु के प्रारम्भ तक (जून-जूलाई से अक्टूबर-नवम्बर तक) रहती है। खरीफ फसल ऋतु में चावल, मक्का, ज्वार-बाजरा, कपास, मूँगफली, मूँग, उड़द आदि फसलें उगायी जाती हैं।

(ii) रबी फसल ऋतु शीत ऋतु के आगमन के साथ प्रारम्भ होती है तथा ग्रीष्म ऋतु के साथ प्रारम्भ होती है तथा ग्रीष्म ऋतु के आगमन तक (अक्टूबर-नवम्बर से मार्च-अप्रैल तक) रहती है। रबी फसल ऋतु में गेहूँ, जौ, चना, तिलहन (अलसी, तोरिया तथा सरसों) आदि उगाये जाते हैं।

(iii) जायद या भदई फसल ऋतु ग्रीष्म की छोटी फसल ऋतु है। जायद फसल ऋतु में नदियों के किनारे बलुई भागों में तरबूज और ककड़ी-खीरा आदि उगाये जाते हैं। चावल, मक्का, सब्जियाँ और फल इस ऋतु की प्रमुख फसलें हैं।

प्रश्न 25. 'मुम्बई-पुणे औद्योगिक प्रदेश' के विकास के लिए उत्तरदायी कारकों को स्पष्ट कीजिए। 4

उत्तर : मुम्बई-पुणे औद्योगिक प्रदेश के विकास के लिए उत्तरदायी कारक :

(1) इस प्रदेश का विकास मुम्बई में सूती वस्त्र उद्योग की स्थापना के साथ प्रारम्भ हुआ। पहली रेलवे ट्रैक के निर्माण, स्वेज नहर के निर्माण तथा थालघाट के खुलने के कारण ब्रिटिशकाल से ही इस क्षेत्र की औद्योगिक विकास की यात्रा प्रारंभ हुई।

(2) मुंबई, कोलाबा, कल्याण, ठाणे, ट्रांबे, पुणे, पिंपरी, नासिक, मनमाड, शोलापुर, अहमदनगर, सतारा और सांगली इस औद्योगिक प्रदेश के प्रमुख औद्योगिक केन्द्र हैं।

(3) मुम्बई के कपास के पृष्ठ प्रदेश में स्थित होने और नम जलवायु के कारण यहाँ सूती वस्त्र उद्योग का विकास हुआ है।

(4) स्वेज नहर के खुल जाने से मुम्बई पत्तन के विकास को प्रोत्साहन मिला है।

(5) 'मुम्बई हाई' पेट्रोलियम क्षेत्र के खुलने से औद्योगिक प्रदेश के रूप में प्रतिष्ठित होने को बल मिला है।

(6) नाभिकीय ऊर्जा संयंत्र की स्थापना ने इस प्रदेश को अतिरिक्त बल प्रदान किया है।

(7) यह प्रदेश परिवहन और संचार के साधनों से भली-भाँति जुड़ा हुआ है।

(8) सूती वस्त्र उद्योग से प्रारंभ हुए औद्योगिक विकास का क्षेत्र वर्तमान में चीनी उद्योग, चमड़ा उद्योग, रसायन उद्योग, साइकिल एवं वाहन निर्माण, खाद उत्पादन, वनस्पति तेल, सिंथेटिक फाइबर, फिल्म एवं टी.वी., कम्प्यूटर आदि तक विस्तृत हो गया है।

दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न $5 \times 4 = 20$

प्रश्न 26. विश्व के विभिन्न भागों में जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले कारकों का उल्लेख करें। 5

***अथवा,* जनसंख्या वितरण को कौन-कौन से कारक प्रभावित करते हैं?**

विश्व के विभिन्न भागों में जनसंख्या के वितरण को प्रभावित करने वाले तत्त्व निम्नलिखित हैं –– (i) भौतिक, (ii) सांस्कृतिक (iii) आर्थिक एवं (iv) राजनैतिक।

Scanned with CamScanner

(i) भौतिक कारक : इसके अन्तर्गत उच्चावचन, जलवायु, मृदा, प्राकृतिक वनस्पति, जल संसाधन, खनिज संसाधन आदि को सम्मिलित किया जाता है। सामान्य रूप से, उपजाऊ मैदान तथा आर्द्र जलवायु क्षेत्र में जनसंख्या का घनत्व अधिक होता है जबकि कम उपजाऊ क्षेत्र तथा विषम जलवायु वाले क्षेत्र में जनसंख्या का घनत्व कम होता है।

(ii) सांस्कृतिक कारक : संस्कृति जनसंख्या वितरण को गंभीर रूप से प्रभावित करती है। समान संस्कृति वाले क्षेत्र अर्थात् समान भाषा, धर्म, विश्वास आदि वाले क्षेत्र में जनसंख्या का घनत्व अधिक होता है।

(iii) आर्थिक कारक : इसके अन्तर्गत बेरोजगारी, उत्पादन, वितरण आदि को सम्मिलित किया जाता है। विकसित रोजगार एवं उत्पादन वाले क्षेत्र में जनसंख्या का घनत्व अधिक होता है जबकि अल्प रोजगार या बेरोजगार तथा कम उत्पादन वाले क्षेत्र में जनसंख्या का घनत्व कम होता है।

(iv) राजनीतिक कारक : राजनीतिक अस्थिरता और इससे उत्पन्न युद्ध या युद्ध की स्थिति के कारण भी जनसंख्या का वितरण प्रभावित होता है। राजनीतिक स्थिरता वाले क्षेत्र में जनसंख्या का घनत्व अधिक होता है जबकि युद्ध संभावित क्षेत्रों में जनसंख्या का घनत्व कम होता है।

अथवा, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार किसी राष्ट्र के आर्थिक विकास का मापदण्ड होता है। व्याख्या करें।

***अथवा,* अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से देश कैसे लाभ प्राप्त करते हैं?**

उत्तर : अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार किसी राष्ट्र के आर्थिक विकास का मापदण्ड होता है। किसी देश में कच्चे माल, विशिष्ट सेवाओं तथा तैयार वस्तुओं के आधिक्य होने पर वह इन्हें दूसरे देशों को निर्यात करता है। विनिर्माण हो या उत्पादन, वस्तुओं के निर्यात से यह पता चलता है कि देश वस्तुओं का प्रचुर मात्रा में उत्पादन कर रहा है। इससे विदेशी मुद्रा के भंडार में वृद्धि होती है और देश का विकास होता है। अधिक विनिमय से रोज़गार में वृद्धि होती है, प्रति व्यक्ति आय बढ़ती है तथा देश के संसाधनों का समुचित उपयोग होता है।

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार उत्पादन में विशिष्टीकरण का परिणाम है। कई देशों में कच्चे माल के उत्पादन की अधिकता होती है। उसी प्रकार अन्य देशों की तकनीकी एवं प्रौद्योगिक क्षमता अत्यन्त विकसित होती है। वे कच्चे माल का आयात करते हैं तथा उसका वैल्यू एडिशन कर तैयार माल दूसरे देशों को निर्यात करते हैं। इस प्रकार के अन्तर्राष्ट्रीय विनिमय से दोनों प्रकार के देशों को लाभ प्राप्त होता है। कच्चे माल के उत्पादक देश अपने देश की प्राकृतिक एवं श्रम-क्षमता का अधिक से अधिक उपयोग कर पाते हैं। दूसरी ओर, तकनीकी क्षमता प्राप्त देश को कच्चे माल की कमी नहीं होती तथा वे अपने कौशल एवं तकनीकी क्षमता का अधिकतम उपयोग कर पाते हैं। ये सभी क्रिया कलाप किसी देश के विकास के महत्वपूर्ण कारक हैं।

***अथवा,* भारत में जनसंख्या घनत्व के स्थानिक वितरण की विवेचना कीजिए।**

उत्तर : जनसंख्या घनत्व को प्रति इकाई क्षेत्रफल पर व्यक्तियों की संख्या द्वारा व्यक्त किया जाता है। देश के भिन्न-भिन्न राज्यों में यह अलग-अलग है जिसके कई भौगोलिक कारण हैं। घनत्व की दृष्टि से भारत को निम्न विभागों में विभक्त किया जा सकता है।

(क) अत्याधुनिक कम घनत्व वाले क्षेत्र : ये वैसे क्षेत्र हैं जहाँ 200 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी. से भी कम घनत्व है। ये राज्य हैं अरुणाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, म.प्र., मणिपुर, मेघालय, नागालैण्ड, राजस्थान, उत्तराखण्ड।

(ख) कम घनत्व वाले क्षेत्र : ऐसे राज्यों में 201 से 400 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी. निवास करते हैं। ऐसे राज्यों में गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, आ.प्र., उड़ीसा, झारखण्ड, असम हैं।

(ग) मध्यम घनत्व वाले क्षेत्र : इस क्षेत्र में 401 से 600 व्यक्ति प्रतिवर्ग कि.मी. निवास करते हैं। ऐसे राज्यों में पंजाब, हरियाणा तथा तमिलनाडु हैं।

Scanned with CamScanner

(घ) उच्च घनत्व वाले क्षेत्र : इस क्षेत्र में 601 से 800 व्यक्ति प्रतिवर्ग कि.मी. निवास करते हैं। ऐसे राज्यों के अंतर्गत केवल उत्तर प्रदेश का नाम आता है।

(ङ) उच्चतम घनत्व वाले क्षेत्र : इस क्षेत्र में 800 से अधिक व्यक्ति प्रतिवर्ग कि.मी. निवास करते हैं। इसके अंतर्गत बिहार, चंडीगढ़, दमनदीव, दिल्ली, केरल, लक्षदीप, पांडीचेरी तथा पश्चिम बंगाल दर्ज किये जाते हैं।

प्रश्न 27. गेहूँ की कृषि के लिए चार अनुकूल भौतिक दशाओं का वर्णन कीजिए। संसार एवं भारत के चार प्रमुख गेहूँ उत्पादक प्रदेशों के नाम भी बताइए। 5

***अथवा,* विश्व एवं भारत में गेहूँ के उत्पादन एवं वितरण की व्याख्या करें।**

उत्तर : गेहूँ की खेती के लिए अनुकूल भौतिक दशाएँ –

(i) तापमान – गेहूँ एक शीतोष्ण कटिबंधीय फसल है। इसके लिए $20^{0}C$ तापमान होना आवश्यक है।

(ii) वर्षा – 40-75 सेमी. वर्षा गेहूँ की खेती के लिए आवश्यक है। गेहूँ की खेती में सिंचाई की भी आवश्यकता पड़ती है।

(iii) मिट्टी – गेहूँ की खेती के लिए दोमट मिट्टी का होना आवश्यक है। बीजों के अंकुरण हेतु मिट्टी में पर्याप्त नमी व ठंडा मौसम ही गेहूँ की फसल के लिए जरूरी होता है।

(iv) अन्य – गेहूँ की फसल के पकते समय बादलरहित आकाश आवश्यक है, क्योंकि सूर्य की रोशनी के अभाव में गेहूँ में कीड़े लग जाते हैं।

गेहूँ की उपज हेतु विश्व के प्रमुख क्षेत्र : (i) अमेरिका व कनाडा के विशाल मैदानी भाग। (ii) अमेरिका के स्टेपी क्षेत्र। (iii) दक्षिण अमेरिका के पम्पास व आस्ट्रेलिया में विशाल पैमाने पर गेहूँ की खेती होती है। (iv) भारत व यूरोप के प्रायः सभी देशों में मुख्य खाद्यान्न के रूप में काफी व्यापक स्तर पर गेहूँ उगाया जाता है। (v) रूस, चीन, अर्जेन्टाइना, फ्रांस आदि देशों में भी गेहूँ प्रमुखता से उपजायी जाती है। यूरोप में फ्रांस, गेहूँ का सर्वाधिक उत्पादन एवं निर्यात करता है।

भारत में गेहूँ की उपज के प्रमुख क्षेत्र :

भारत में गेहूँ उत्पादन के दो प्रमुख क्षेत्र हैं उत्तर पश्चिम में गंगा सतलुज का मैदान तथा मध्य भाग में दक्षिण की काली मिट्टी वाला क्षेत्र।

उत्तर प्रदेश, गेहूँ उत्पादन में प्रथम स्थान पर है। उत्तरप्रदेश के अतिरिक्त पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, बिहार, मध्यप्रदेश, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र में भी गेहूँ का उत्पादन किया जाता है।

***अथवा,* आयु पिरामिड के तीन प्रकारों का नाम लिखें एवं उनका अर्थ स्पष्ट करें।** 5

उत्तर : आयु पिरामिड विभिन्न देशों की क्षेत्रीय या सामयिक तुलनात्मक, परिवर्तनशील आयु का विश्लेषण करता है। आयु पिरामिड के तीन प्रकार होते हैं –

1. विस्तारित जनसंख्या पिरामिड (Expanding Population Pyramid) : इस प्रकार के पिरामिड में आधार चौड़ा एवं शीर्ष क्रमशः पतला होता जाता है। इसका अर्थ यह हुआ कि ऐसे क्षेत्र में बच्चों की संख्या अधिक, युवाओं की उससे कम और वृद्धों की संख्या सबसे कम होती है। यह पिरामिड इंगित करता है कि मृत्यु दर तथा जन्म दर दोनों अधिक हैं।

2. स्थिर जनसंख्या पिरामिड (Constant Population Pyramid) : इस पिरामिड में आधार कुछ कम चौड़ा होता है, मध्य भाग कुछ उभरा हुआ होता है तथा शीर्ष का भाग अति संकीर्ण न होकर कुछ चौड़ा होता है। इससे यह इंगित होता है कि यहाँ मृत्यु दर कुछ कम है तथा जन्मदर भी कम है। एक प्रकार से दोनों समान हैं अतः यहाँ की जनसंख्या स्थिर है।

Scanned with CamScanner

3. ह्रासमान जनसंख्या पिरामिड (Regressive Population Pyramimid) : इस पिरामिड की रचना स्थिर जनसंख्या पिरामिड की तरह बीच में उभरी हुई होती है किन्तु इसका आधार इससे कम तथा शीर्ष भी अपेक्षाकृत कम चौड़ा होता है। इसका अर्थ यह होता है कि इस क्षेत्र में जन्मदर कम हो गयी है तथा मृत्युदर भी यहाँ कम है। इस अवस्था में मृत्यु दर स्थिर एवं जन्मदर उतार-चढ़ाव की स्थिति में होती है। इस देश की कम आयु की जनसंख्या घटती जाती है। प्रायः विकसित देशों में ऐसी स्थिति देखी जाती है।

प्रश्न 28. भारत में गरीबी एवं बेरोजगारी उन्मूलन कार्यक्रम पर टिप्पणी लिखें।

उत्तर : गरीबी एवं बेरोजगारी की समस्या देश के विकास के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती है। विभिन्न पंचवर्षीय योजनाओं में इस समस्या को हल करने के प्रयास किये गये हैं। प्रारंभिक योजनाओं में सामुदायिक विकास परियोजना पर बल दिया गया। अनेक प्रकार के ग्रामीण-विकास कार्यक्रम एवं स्वरोजगार कार्यक्रमों को लागू किया गया। कुछ क्षेत्रों में तो इसके अच्छे परिणाम प्राप्त हुए। पर अनेक क्षेत्रों में बेराजगारी एवं गरीबी अभी भी विकराल समस्या के रूप में खड़ी है।

इस संदर्भ में निम्नलिखित कार्यक्रम चलाये गये हैं –

(1) लघु कृषक विकास ऐजेंसी (SFDA),
(2) सूखा संभाव्य क्षेत्र कार्यक्रम (DPAP),
(3) कमांड क्षेत्र विकास कार्यक्रम (CADP),
(4) रेगिस्तान विकास कार्यक्रम (DDP),
(5) एकीकृत ग्रामीण विकास कार्यक्रम (IRDP),
(6) राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम (NREP),
(7) जनजातीय उप-योजना (TSP)
(8) स्वरोजगार के लिए ग्रामीण युवा वर्ग का प्रशिक्षण (TRYSEM) इत्यादि।

रोजगार सृजन एवं गरीबी उन्मूलन से संबंधित कार्यक्रम निम्नलिखित हैं।

(1) स्वरोजगार कार्यक्रम – स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना
(2) मजदूरी रोजगार योजना : जवाहर ग्राम समृद्धि योजना
रोजगार आश्वासन योजना
(3) राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम
(4) शहरी रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम : प्रधानमंत्री रोजगार योजना
स्वर्ण-जयंती शहरी रोजगार योजना आदि।

***अथवा,* भारत के विदेश व्यापार के प्रमुख लक्षणों को स्पष्ट कीजिए।**

उत्तर : भारत के विदेश व्यापार की प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं–

(i) अधिकांश व्यापार समुद्र द्वारा : हमारा 90% विदेशी व्यापार समुद्र के रास्ते होता है, क्योंकि भारत की सीमाएँ जिन देशों के साथ मिलती हैं, वे कम विकसित हैं तथा उनके साथ भारत के संबंध सौहार्दपूर्ण नहीं हैं।

(ii) आयात-निर्यात में व्यापक वृद्धि : 1950-51 ई. से 1999-2000 ई. तक आयात-निर्यात किए जाने वाले सामान की कुल मात्रा में वृद्धि हुई है।

(iii) व्यापार का प्रतिकूल संतुलन : स्वतंत्रता के पश्चात् आयात में निरंतर वृद्धि के कारण भारत में प्रतिकूल व्यापारिक संतुलन रहा है। हाल के वर्षों में विदेशी व्यापार संतुलन में अनुकूल परिवर्तन हुआ है।

(iv) चुनिंदा पत्तनों से व्यापार : भारत में 12 प्रमुख पत्तन हैं जो विदेश व्यापार का लगभग 90% व्यापार प्रबंधित करते हैं। मुम्बई, चेन्नई तथा कोलकाता से विदेश व्यापार का काफी ज्यादा अंश प्रबंधित किया जाता है।

Scanned with CamScanner

(v) विश्वव्यापी व्यापार : स्वतन्त्रता पूर्व भारत के व्यापारिक संबंध केवल कुछ ही देशों से थे किन्तु आज विश्व के लगभग प्रत्येक देश के साथ भारत के व्यापारिक संबंध स्थापित है। भारत 190 देशों को निर्यात तथा 140 देशों से आयात करता है।

(vi) प्रोजेक्ट निर्यात : इसका तात्पर्य सलाहकार करार, निर्माण तथा नए खुलने वाली औद्योगिक परियोजनाओं सहित कौशल आदि के निर्यात से है।

(viii) इलेक्ट्रॉनिक सॉफ्टवेयर तथा सेवाओं का निर्यात : हाल ही में इन उत्पादों के निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। आज कम्प्यूटर से सम्बन्धित सेवाओं का कुल निर्यात में एक बड़ा हिस्सा है।

प्रश्न 29. दिये गये विश्व के रेखा-मानचित्र पर निम्नलिखित को दर्शाएँ। 5

(a) पनामा नहर, स्वेज नहर (b) न्यूयार्क, मियामी, केपटाउन, डर्बन

(c) मिसीसिपी जलमार्ग, सेंट लॉरेंस जलमार्ग, पराना-पराग्वे जलमार्ग

(d) राइन जलमार्ग, वोल्गा जलमार्ग (e) कोलम्बो, मलेशिया, हांगकांग, शंघाई

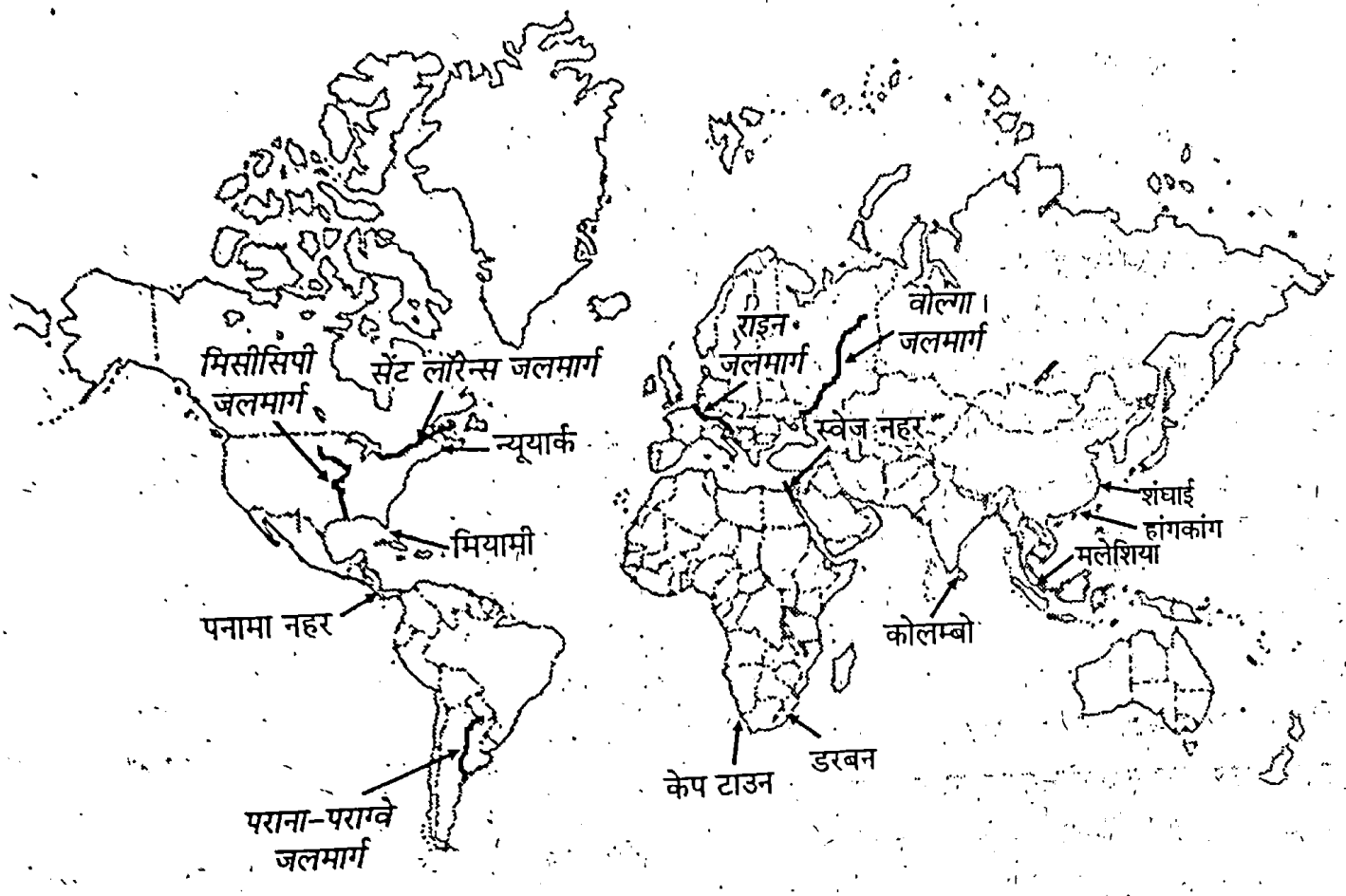

Scanned with CamScanner